सेंट्रल दिल्ली में शंकर रोड पर शुरू हुआ 11 केवी का नया सब–स्टेशन

नई दिल्ली: 20 फरवरी, 2013। बिजली की बेतहाशा बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बीवाईपीएल अपने नेटवर्क को पूरी तरह से दुरूस्त कर रही है, ताकि आने वली गर्मियों में उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली सुनिश्चित की जा सके। इसी क्रम में मध्य दिल्ली के शंकर रोड के पास पंपोश रोड पर 11 केवी का एक बिजली सब–स्टेशन स्थानीय जनता को समर्पित कर दिया गया। इलाके के विधायक और परिवहन, चुनाव, कानून, व विधायी कार्यमंत्री श्री रमाकांत गोस्वामी ने इस अत्याधुनिक सब–स्टेशन का उद्घाटन किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे।

इस सब–स्टेशन से वैसे तो पूरे शंकर रोड व पंपोश रोड पर बसी कॉलोनियों को फायदा होगा, लेकिन न्यू और ओल्ड राजेंद्र नगर इलाकों के उपभोक्ता इस सब स्टेशन से खास तौर पर लाभान्वित होंगे। सर गंगाराम अस्पताल, जानकीदेवी महिला कॉलेज, अहिंसा भवन, राजेंद्र नगर पुलिस स्टेशन, जेडी टाइटलर स्कूल, मानवस्थली स्कूल, पुलिस रेजिडेंशल कॉम्प्लेक्स, आदि को और बेहतर, निर्बाध व गुणवत्तायुक्त बिजली मिलेगी।

पहले यह क्षेत्र दो सब–स्टेशनों से जुड़ा था, लेकिन इस नये सब– स्टेशन के आने के बाद यह क्षेत्र तीन अलग–अलग सब स्टेशनों से जुड़ गया है। इसका फायदा यह होगा कि दो स्रोतों के खराब होने के बावजूद न्यू और ओल्ड राजेंद्र नगर इलाकों को बिजली मिलती रहेगी।

बीवाईपीएल के प्रवक्ता के मुताबिक, यह एक स्मार्ट 11 केवी सब–स्टेशन है, जिसमें बीवाईपीएल द्वारा हाल ही में विकसित तकनीक मिडास भी लगाया जाएगा। गौरतलब है कि स्मार्ट सब–स्टेशन अपने संभावित फॉल्ट को आसानी से पहचान लेता है और संबंधित इंजीनियरों को इस बारे में अलर्ट भेज देता है। इसी खासियत की वजह से इस सब–स्टेशन में फॉल्ट आने से पहले ही उसे ठीक कर लिया जाएगा और लोगों को निर्बाध बिजली मिलती रहेगी। मिडास लगने के बाद इस सब–स्टेशन को बीवाईपीएल के कंट्रोल रूम से ही मॉनिटर किया जा सकेगा।

दिल्ली सरकार के मंत्री श्री रमाकांत गोस्वामी ने इलाके को तीन बिजली स्रोतों से जोड़ने के लिए बीवाईपीएल की तारीफ करते हुए कहा कि आज दिल्ली में बिजली की कोई समस्या नहीं है। उन्होंने नब्बे के दशक के आखिरी वर्षों को याद करते हुए कहा – 1998 के वे दिन आज भी मुझे याद हैं। जब कोई ट्रांसफॉर्मर जल जाता था, तो आठ–आठ दिनों तक हमें बिना बिजली के रहना पड़ता था। लेकिन आज बीवाईपीएल के प्रयासों की बदौलत लोगों को चौबीसों घंटे बिजली मिल रही है। चाहे कितना भी बड़ा फॉल्ट क्यों न आ जाए, लेकिन उसे जल्द से जल्द ठीक कर लिया जाता है।